# 'एंटी इनकंबेंसी भी है, अधिकांश मंत्री विधायकों की हालत भी खराब है'

## अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से कराये गये दोनों सर्वे के अनुसार ऐसी चर्चा है

- **अब क्या कांग्रेस सवा सौ नए चेहरे उतार कर एंटी इनकंबेंसी कम कर पाएगी या फिर बड़े नेताओं की पसंद के लोग ही चुनाव लड़ेंगे**
- **वर्तमान मंत्री विधायक ही नहीं बल्कि पिछली बार हारी हुई 40 से ज्यादा सीटों पर भी कांग्रेस की हालत अच्छी नहीं बताई जा रही**

**जयपुर**, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मंत्री-विधायक यह कहते नहीं थक रहे हैं कि राजस्थान में इस बार एंटी इनकंबेंसी नहीं है, लेकिन अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से कराए गए एक सर्वे तथा उसके अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से एक विज्ञापन एजेंसी के जरिए कराए गए सर्वे के अनुसार कहा जा रहा है कि एंटी इनकंबेंसी भी है और अधिकांश मंत्री-विधायकों की हालत अपने क्षेत्र में बेहद खराब है। इतना ही नहीं पिछली बार जो उम्मीदवार चुनाव हारे थे, इस बार भी उनकी जीत की कोई उम्मीद नहीं है। ऐसे में सरकार रिपीट करने की बात करने वाली कांग्रेस क्या वर्तमान मंत्री-विधायकों में से 70 से ज्यादा लोगों के टिकट काटने का जोखिम उठा पाएगी। साथ ही पिछली बार हारने वाले 40 से ज्यादा उम्मीदवारों को बदल पाएगी।

हालांकि जहां तक सर्वे की बात है तो हर चुनाव में कांग्रेस इसी तरह के सर्वे की बात करती है। टिकट के लिए नए-नए मापदंड तय करती है, लेकिन जब उम्मीदवारों की सूची सामने आती है, तो हमेशा की तरह ही नेताओं की पसंद बनने वाले ही उम्मीदवार बनने में सफल होते हैं। यानी कि जिन सर्वे रिपोर्ट के आधार पर दावेदारों को डराया जाता है, या पैनल बनाने की बात होती है, वह उम्मीदवारी घोषित होने तक बेमानी साबित हो जाते हैं।

इस बार भी कांग्रेस बार-बार कह रही है कि सिर्फ जिताऊ ही मापदंड होगा। यानी कि इस बार दो बार हारने वाले उम्मीदवारों को भी टिकट की उम्मीद है। इतना ही नहीं पार्टी ने इस बार यह भी कहा है कि उम्र की भी कोई सीमा नहीं है। खुद मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि कर्नाटक में 80 साल से ज्यादा के लोगों को टिकट दिया और वह चुनाव जीते। जब यह बात पार्टी कर रही है, तो फिर तय है कि इस बार पार्टी का किसी तरह का कोई मापदंड उम्मीदवार के लिए है ही नहीं। यदि पार्टी में मापदंड ही तय होते, तो फिर दो बार हारने वालों और 80 साल के लोगों को टिकट दिए जाने की चर्चा खुद मुख्यमंत्री ही क्यों करते?

जहां तक टिकट काटने की बात है तो हर चुनाव में कांग्रेस पुराने चेहरों के स्थान पर 50 से 60 नए लोगों को टिकट देती आई है और पिछली बार करीब 90 के आसपास टिकट नए लोगों को दिए गए थे। इसके बावजूद 2003 के चुनाव में पार्टी 1998 के मुकाबले 100 सीटों पर चुनाव हारी थी। 2008 में भी बड़ी संख्या में नए उम्मीदवार उतारे थे, इसके बावजूद पार्टी बहुमत से दूर 96 सीटों पर रुक गई थी। 2013 में भी कांग्रेस ने नए उम्मीदवारों को मौका दिया था लेकिन इसके बावजूद पार्टी अब तक की सबसे करारी ऐतिहासिक हार झेलते हुए 21 सीटों पर आ गई थी। 2018 में तो आधे से ज्यादा टिकट नए चेहरों को दिए थे। इसके बावजूद कांग्रेस बहुमत से एक सीट कम यानी कि 99 पर आकर रुक गई थी।

दरअसल कांग्रेस नए चेहरे उतारने की बात तो करती है। मापदंड की बात भी करती है, लेकिन जब नए चेहरों को उतारने की बात होती है, तो अधिकांश चेहरे नेताओं के परिवारों से होते हैं या फिर बड़े नेताओं की पसंद होते हैं। ऐसे में नए चेहरे उतारकर पार्टी जीत जाए, इसकी भी कोई गारंटी नहीं होती है।

यही कारण है कि इस बार भी भले ही पार्टी पांच सर्वे करने की बात कहे लेकिन जिस तरह से खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सर्वे करने वाले व्यक्ति का नाम युवा कांग्रेस की बैठक में लिया था। उसके बाद में सरकार का काम देखने वाली विज्ञापन एजेंसी का नाम सर्वे के लिए चर्चाओं में है। उससे स्पष्ट है कि सर्वे किस तरह से किया जा रहे हैं और उन सर्वे के जरिए किस तरह के उम्मीदवार ढूंढने के प्रयास हो रहे हैं।

फिलहाल तो जो चर्चाएं निकलकर आई है कि सर्वे में पार्टी के वर्तमान मंत्री-विधायकों के जीतने की स्थिति नजर नहीं आ रही है। अब देखना यह है कि इन सर्वे के आधार पर क्या पार्टी राजस्थान में सवा सौ से ज्यादा नए उम्मीदवार उतार पाएगी या फिर हमेशा की तरह नेताओं की पसंद बने लोगों को उम्मीदवार बनाकर एंटी इनकंबेंसी का सामना करेगी।

चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में त्रिदिवसीय गणेश महोत्सव के अवसर पर महंत राहुल शर्मा के सानिध्य में केसर जल से महास्नान कराया गया, सिंदूर का चोला चढ़ाकर विशेष दूर्वा की झांकी सजाई गई। युवाचार्य पं.अमित शर्मा ने बताया कि महोत्सव में रविवार को भगवान गणपति के समक्ष 31 हजार लड्डू की झांकी सजाई गई व शाम को महाआरती का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटे व 11 हजार दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया।

# भारतीय वायुसेना द्वारा सूर्य किरण एरोबेटिक डिस्प्ले का समापन

**जयपुर**, (का.सं.)। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा 15 से 17 सितंबर 2023 तक जयपुर में जल महल के ऊपर एक वायु जागरूकता प्रदर्शन आयोजित किया गया।

हवाई प्रदर्शन 15 और 16 सितंबर को अपराह्न 3.30 से 4.30 बजे के बीच आयोजित किया गया था, जिसमें जल महल के ऊपर नौ विमानों की संरचना में प्रवेश किया गया , जो जल महल के ऊपर लंबवत रूप से ऊपर की ओर जा रहे थे, और अंत में एक हीरे का आकार बनाते थे। टीम ने तेजस विमान के आकार में उड़ान भरी और विक्रम लैंडर के आकार में उड़ान भरकर इसरो के मिशन चंद्रयान -3 के लिए एक युद्धाभ्यास भी समर्पित किया। टीम ने कई चुनौतीपूर्ण युद्धाभ्यास किए जिनके लिए पूर्ण सटीकता, सिंक्रनाइजेशन और बहुत उच्च स्तर की पेशेवर क्षमता की आवश्यकता होती है। 20 मिनट के प्रदर्शन का समापन हार्ट विद क्यूपिड एरो फॉर्मेशन के साथ हुआ।

17 सितंबर को समापन समारोह के लिए लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ दक्षिण पश्चिमी कमान और अन्य नागरिक व्यक्ति उपस्थित थे। हालांकि, खराब मौसम की स्थिति के कारण प्रदर्शन आयोजित नहीं किया जा सका।

इस हवाई प्रदर्शन को हर दिन लगभग 30,000 दर्शकों ने देखा, जिनमें लगभग 6000 छात्र और एनसीसी कैडेट शामिल थे। भारतीय वायु सेना ने हवाई प्रदर्शन देखने वाले छात्रों और बच्चों को आकर्षक विमान पोस्टर और स्टिकर वितरित किए। इस शो ने एक ओर जहां युवा पीढ़ी को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, वहीं दूसरी ओर, इसने भारतीय वायु सेना में अदम्य भावना और अनुशासन की विशेषताओं को प्रदर्शित किया। भारतीय वायुसेना और नागरिक प्रशासन के बीच सक्रिय समन्वय ने कार्यक्रम का कुशल संचालन सुनिश्चित किया, जिसकी काफी सराहना की गई।

# एमएसपी अधिकार के लिए बलिदान देने की आवश्यकता : रामपाल जाट

**जयपुर**, (का.सं.)। 11 राज्यों के किसान प्रतिनिधियों ने नागपुर में 29-30 जुलाई को किसान महापंचायत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया। जिसकी प्रतियां केंद्र एवं राज्यों को प्रेषित कर दी गई। राजस्थान के किसानों ने पांच रथों से 10 दिवसीय एम.एस.पी. अधिकार यात्रा 24 अगस्त से 2 सितंबर तक आयोजित की।

न्यूनतम समर्थन मूल्य तो व्यवस्था परिवर्तन का आरंभिक चरण है। राजनीतिक दलों में व्यवस्था परिवर्तन की मन: स्थिति हो तो जनता को संघर्ष की आवश्यकता नहीं है। इसके अभाव में संघर्ष ही विकल्प है। कृषि प्रधान देश में किसान की खुशहाली और देश की खुशहाली समान अर्थ वाली है। देश की समृद्धि का रास्ता भी यही है, जिसे शासन कर्ताओं ने छोड़ दिया है और विकास के नाम पर अंतहीन अंधेरी गली की ओर मुड़ गए हैं। हम सभी किसान प्रतिनिधि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी के कानून के लिए कृत संकल्प है। उस दिशा में अपने स्वप्नों और अरमानो की बलि चढ़ाकर व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में वोट की चोट को माध्यम बनाकर न्यूनतम समर्थन मूल्य की शक्ति के प्रदर्शन के लिए चुनाव में भागीदारी करेंगे।

## कोटा, बूंदी और करौली में खुलेंगे बालिका छात्रावास

**जयपुर**, (का.सं.)। राज्य सरकार प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए अहम निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न जिलों में नवीन बालिका छात्रावासों के भवन निर्माण के लिए 2.50 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

# पीएम मोदी के जन्मदिवस पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

- **पीएम मोदी का जीवन देश को समर्पित, मातृशोक पर भी अवकाश नहीं : नारायण पंचारिया**

**जयपुर**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा की ओर से मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पीएम मोदी के बाल्यकाल से राजनैतिक जीवन की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई गई। इस दौरान चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राज्यसभा सांसद डॉ.किरोड़ीलाल मीणा और भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन देश के लिए पूरी तरह समर्पित रहा है। उनके भीतर बचपन से ही देश सेवा का जज्बा रहा है। इसका हम सभी के सामने प्रत्यक्ष उदाहरण है कि पीएम बनने के बाद से निरंतर नौ साल बिना किसी अवकाश के देशसेवा में जुटे हुए है। मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने मातृशोक होने के बाद भी अवकाश नहीं लिया और लगातार तय कार्यक्रमों में भाग लिया। आज जो प्रदर्शनी लगाई गई है इसमें उनके अध्ययन, आध्यात्म की ओर रूझान, महापुरूषों का अनुसरण और देश के दलित और वंचित लोगों का सम्मान शामिल किए गए। पीएम मोदी के दूरदर्शी सोच के चलते ही आज भारत का दुनिया में परचम लहराया है। हाल ही में भारत ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैडिंग के मुकाम को पाया और जी-20 की अध्यक्षता से पीएम मोदी ने यह साबित कर दिया कि भारत को भविष्य में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता।

# बंजारा समाज ने लिया नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प

**जयपुर**। घुमंतू जाति उत्थान न्यास जयपुर महानगर की ओर से रविवार को अपनी बस्ती अपना हवन कार्यक्रम के अंतर्गत कालवाड़ रोड माचवा की राम कुटिया स्थित बंजारा बस्ती में सुबह नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ किया गया।

बाबा रामदेव जन्मोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में साठ जोड़ों ने गायत्री मंत्रोच्चार के साथ दो पारियों में आहुतियां अर्पित कीं। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी और गायत्री शक्तिपीठ कालवाड के विद्वानों की टोली ने विधि विधान से यज्ञ करवाया। व्यासपीठ से प्रहलाद शर्मा और विपिन पारीक ने उपस्थित श्रद्धालुओं को नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प करवाया। उपस्थित सभी लोगों ने हवन की पूर्णाहुति में किसी भी तरह का नशा नहीं करने, अभक्ष्य भोजन का त्याग करने का संकल्प लिया।मुख्य वक्ता घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर प्रमुख राकेश कुमार शर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित लोगो को राष्ट्र विकास में मिलकर योगदान का आग्रह किया। गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा के मनोज पारीक ने दुपट्टा ओढाकर सभी का अभिनंदन किया। बंजारा समाज के भैंरूराम बंजारा और भंवरराम बंजारा ने आभार प्रकट किया। इस मौके पर नेत्र रोग परीक्षण शिविर और नशा मुक्ति प्रदर्शनी भी लगाइ।

# कर्मचारियों से किए वादों को पूरा करें सरकार : महासंघ एकीकृत

**जयपुर**। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कांग्रेस के जन घोषणा पत्र-2018 में कर्मचारियों से किए वादों को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार ने अगर आचार संहिता से पूर्व उन वादों को पूरा नहीं किया तो आगामी चुनावों में कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कोई विश्वास नहीं करेगा।

गौरतलब है कि पिछले चुनाव में कांग्रेस के जन घोषणा पत्र में कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों को दूर करने का वादा किया गया था। सरकार ने सामंत कमेटी और खेमराज कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद भी उन कमेटियों की रिपोर्ट को आज तक सार्वजनिक नहीं किया है। इससे प्रदेश के राज्य कर्मचारियों में काफी आक्रोश है। घोषणा पत्र में संविदा कर्मियों व ठेका कर्मियों सहित सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने का भी वादा किया गया था। लेकिन सरकार ने केवल राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 बनाकर ही संतोष कर लिया है। इसमें ठेका कर्मियों, आंगनबाड़ी कर्मियों एवं जनता जल कर्मियों सहित अन्य अस्थाई कर्मचारियों को शामिल नहीं किया है। इसके जो नियम बनाए गए हैं वे भी कर्मचारियों के साथ छलावा है। उनमें कार्मिकों को नियमित करने के बजाय आजीवन संविदा कर्मी रखने की योजना है। यह कर्मचारी भविष्य में कभी भी नियमित कर्मचारियों के समान वेतन प्राप्त नहीं कर सकेंगे। महासंघ की मांग है के इन सभी अस्थाई कार्मिकों को पूर्व नियमित कर्मचारियों के समान ही नियमित किया जाए।

एक अन्य बयान में राठौड़ ने कहा कि चयनित वेतनमान का लाभ 9,18 व 27 वर्ष के स्थान पर 8,16, 24 व 32 वर्ष पर पदोन्नित पद के सामान देने, बजट घोषणाओं के क्रियान्वित करने एवं ग्रामीण कर्मचारियों को ग्रामीण भत्ता देने सहित 17 सूत्री मांगे राज्य सरकार के पास पिछले काफी समय से विचाराधीन है। उन पर भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। राठौड़ ने कहा कि अगर समय रहते सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया तो आगामी चुनावों में उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

## एटीएस ने पीएफआई के समर्थक को पकड़ा

**जयपुर**। भारत में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का समर्थन करने और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए भड़काने व उकसाने के मामले में एटीएस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने आरोपी के कब्जे से 2 मोबाइल भी जब्त किए हैं, जो राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए उपयोग करता था। फिलहाल एटीएस टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एडीजी एटीएस-एसओजी अशोक राठौड़ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सोहेल भिश्ती (22) पुत्र सिराज मोहम्मद भिश्ती निवासी शाहपुरा भीलवाड़ा हाल भोपालपुरा मस्जिद के पास है। पुलिस उप महानिरीक्षक एटीएस अंशुमन भोमिया ने बताया कि सोहेल भिश्ती नामक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग कर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना प्राप्त हुई। एटीएस की टीम को तुरंत कार्रवाई के लिए भीलवाड़ा भेजा गया। टीम ने संदिग्ध सोहेल भिश्ती को पकड़कर जांच की। जांच में मोहम्मद सोहेल भिश्ती के सोशल मीडिया के जरिए लोगों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए उकसाने व भड़काने में संलिप्त पाया गया।

## मिश्री लाल सैनी निर्विरोध अध्यक्ष

**जयपुर**। राजस्थान सैनी अधिकारी एवं कर्मचारी विकास संस्था के अलवर किशनगढ़-बास के मिश्री लाल सैनी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।

# 62 पदों का होगा सृजन

**जयपुर**। राज्य की क्रमोन्नत 5 तहसीलों (रारह-भरतपुर, जसरासर-बीकानेर, पापड़दा-दौसा, सरदारगढ़-राजसमंद, बारापाल-उदयपुर) एवं 3 उप तहसीलों (श्रीबालाजी-नागौर, भण्डारी-सीमलवाडा डूंगरपुर, ओगणा-झाडोल उदयपुर) के लिए 62 विभिन्न पदों का सृजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। क्रमोन्नत तहसीलों में तहसीलदार, तहसील राजस्व लेखाकार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, कनिष्ठ लेखाकार, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक, ऑफिस कानूनगो एवं रिसोर्स परसन पटवारी के 5-5 पदों व कनिष्ठ सहायक के 10 पदों सहित कुल 50 पद सृजित किए गए हैं।

# आई.टी. घोटाले के मास्टर माइंड के पास जयपुर में अकूत प्रोपर्टी, सरकार जब्त करे : डॉ. किरोड़ीलाल

## राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने पत्रकारों से रूबरू होकर 66 हजार करोड़ रुपये के खान घोटाले सहित, जल जीवन मिशन, आई.टी. घोटाला और नगरीय विकास विभाग के तथाकथित घोटालों का खुलासा किया

- **'खुद को गांधीवादी मुख्यमंत्री कहने वाले गहलोत मंत्रियों और विधायकों सहित चहेते अधिकारियों पर कार्रवाई करके दिखाएं'**

**जयपुर**। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने प्रेसवार्ता कर प्रदेश कांग्रेस सरकार पर हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान डॉ. मीणा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में 66 हजार करोड़ से ज्यादा का खान घोटाला जिसमें 27 हजार करोड़ का खनिज घोटाला, 20 हजार करोड़ का बजरी घोटाला, 10,800 करोड़ का अरावली हिल्स घोटाला, 2500 करोड़ का हिंदुस्तान जिंक घोटाला, 2400 करोड़ का जिंदल कोयला घोटाला, 2000 करोड़ का जीआरसीसी घोटाला, 1000 करोड़ का सीमेंट घोटाला, 1000 करोड़ का एमनेस्टी घोटाला और 200 करोड़ का घोटाला शामिल है। इसके अलावा जल जीवन मिशन घोटाला, आईटी घोटाला, सीएम के पुत्र वैभव गहलोत का होटल इंडस्ट्री में मोरिशिस के रास्ते काले धन को सफेद करना, यूडीएच घोटाले सहित कई घोटालों में प्रदेश के मंत्री, ब्यूरोक्रेट और विधायकों के शामिल होने का आरोप लगाया।

इस दौरान उन्होंने कैबिनेट मंत्री महेश जोशी पर तंज कसते हुए कहा कि वो मान हानि का दावा करने के लिए मेरी तरफ से स्वतंत्र हैं। मैं मीडिया के माध्यम से कहता हूं कि मैं कई महीनों से मान हानि के नोटिस का इंतजार कर रहा हूं। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि एक और खुलासा हमने डीओआईटी को लेकर किया था। जिसमें लगातार हमे बहुत सारे सबूत मिलते जा रहे हैं लगभग साढ़े पाँच किलो सोना, 6 करोड़ रुपये नकद और बहुत सारे अहम दस्तावेज बरामद हुए है। इसमें कई बड़े प्रशासनिक अधिकारी, मंत्रियों और सीमएओ की मिलीभगत है। इस संबंध में हमारी ओर से ईडी को सभी दस्तावेज देकर इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में ईडी की जांच जब आगे बढ़ेगी तो इसमें मुख्यमंत्री और उनके नजदीकी अधिकारियों का नाम भी सामने आएगा। अभी और बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जिनके फर्जीवाड़ों, अधिकारियों के द्वारा भारी गड़बड़ियों और पब्लिक के पैसे की बंदरबांट की जानकारी हमने ईडी को दे दी है। डॉ. मीणा ने कहा कि राजकॉम के पॉश मशीन के वितरण में काफी घोटाले हुए है जिनमे फर्जी दस्तावेजों से टेन्डर लेना और फर्जी कंपनियों को भुगतान करना शामिल है। इसी सिलसिले में एक दस्तावेज हमने ईडी को दिया है, जिसमें एक अतिरिक्त निदेशक आरसी शर्मा जो अब रिटायर्ड हो चुके हैं, इस अधिकारी ने 2020 की फ़ाइलों पर व्हाईटनर लगाकर 2022 कर दिया और लिंकवेल कंपनी को करोड़ों का भुगतान करा लिया। जबकि उक्त कंपनी को आवंटित कार्य 2020 में ही पूर्ण हो चुके थे। इस संबंध में सरकार को जानकारी देने के बावजूद भी उस अधिकारी के खिलाफ गहलोत सरकार ने कोई आपराधिक कार्यवाही नहीं की। हैरानी की बात तो ये है कि आरसी शर्मा को पेंशन के पूरे लाभ भी दिये गए। यही अधिकारी अब भी इन्ही कंपनियों में सलाहकार बनकर डीओआईटी में दलाली कर रहा है। मेरी सरकार से मांग है कि आरसी शर्मा को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और लिंकवेल कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके एसीबी को जांच सौंपी जाए, और मेरा ईडी से भी निवेदन है कि इस मामले में त्वरित कार्यवाही की जाए।

डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि कुछ महीनों पहले डीओआईटी में आधार कार्ड विभाग में रिश्वतखोरी के सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। उस वक्त हमने राज्य सरकार से 17 मामलों में अभियोजन स्वीकृति के लिए कहा था लेकिन सरकार ने महज चार मामलों में ही अभियोजन स्वीकृति दी थी। राजकॉम इनफो सर्विसेज लिमिटेड में 06 अगस्त 2017 में भामाशाह डिजिटल पेमेंट किट के लिए एक टेंडर निकला था इन भामाशाह डिजिटल किट में टैब, फिंगर प्रिंट स्कैनर आदि मशीनो का सेट खरीदा जाना था।

इस टेंडर के जरिये राजकॉम कंपनी को कुल 8592 किट खरीदनी थी। जिनकी कुल कीमत लगभग 29 करोड रूपये है। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जब हमने जानकारी ली तो पता चला कि केवल 4964 मशीनें ही खरीदी गई और भुगतान 8592 मशीनों का उठा लिया गया। 29 मार्च 2019 के दिन मात्र 4964 मशीन ही प्रदेश में कार्यरत पाई गई। इसमें हैरानी की बात तो यह है कि मई 2019 के बाद से इन मशीनों में से एक भी मशीन काम में नहीं है। मशीन कहा गई उसकी कोई जानकारी किसी को नहीं है, इस मामले में मुख्य अधिकारी हंसराज यादव, सीताराम स्वरूप और रणवीर सिंह है। इन्ही अधिकारियों ने करीब 100 करोड़ रुपये के घोटाले विभिन्न प्रोजेक्टों में किए हैं। जिसमें मैर्सस अतिशय लिमिटेड के साथ ऑथेंटिकेशन इंजन, आधार की वेबसाईट, माइक्रो एटीएम मशीन आदि के प्रोजेक्ट शामिल है।

डॉ. मीणा ने कहा कि कुछ मामले जो कि आज मैं केवल संक्षेप में बता रहा हू जैसे राजनेट प्रोजेक्ट में एक अधिकारी जिसने इन मशीनों की ऑडिट के नाम पर एक फर्म को 15 करोड़ रुपये दे दिए। जो मशीन लगी ही नहीं केवल इन्होंने हर तरह से पैसे की लूट पर अपना फोकस रखा है। इस मामले में नया खुलासा ये हुआ है कि राजनेट के अभियंताओं को समय पर सैलरी नहीं मिल रही और सीपी सिंह ने सीपी सिंह ने सोडाला में एक कॉम्पलेक्स में एक साथ तीन फ्लेट खरीदे हैं प्रत्येक फ्लेट की कीमत साढे, चार करोड़ है। इस प्रकार कुल कीमत साढ़े तेरह करोड़ हुई। एक फ्लेट खुद सीपी सिंह के नाम है, एक उसकी पत्नी के नाम है और तीसरा उसके बेटे हर्षवर्धन सिंह के नाम है। इन फ्लेटस की रजिस्टरी 15 अक्टूबर 2022 के आस पास की है। इसके अलावा सीपी सिंह का एक फ्लेट मुंबई में है, सीपी सिंह ने अपनी पत्नी के नाम अभी हाल ही में गाजियाबाद में एक प्रोपर्टी खरीदी है। दिल्ली रोड पर सीपी सिंह की कोई बहुत बड़ी प्रोपर्टी है जिसका मैं निकट भविष्य में खुलासा करूंगा है। सीपी सिंह के माता पिता के नाम बहुत बड़ी प्रोपर्टी बतायी गयी है।

सीपी सिंह ने हाल ही में एक डिफेंडर कार खरीदी है जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रूपये है एवं तीस-तीस चालीस-चालीस लाख की कई बाइक है।

डॉ. मीणा ने कहा कि गहलोत सरकार में बेशुमार धन कमाने वाले इन अफसरों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं होती इसलिए मैं ईडी से मांग करता हूं कि सीपी सिंह के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कार्मिक विभाग की वित्तीय सलाहकार ज्योति भारद्वाज द्वारा स्वयं के नाम पर 15 फ्लैट एवं पुत्र के नाम 11 फ्लैट विगत 4 एवं 5 मार्च 2022 को दो दिन में ही करोड़ों की राशि से खरीद लिए जो समाचार पत्रों में प्रकाशित भी हुआ है। इसकी जानकारी हमने करीब महिने भर पहले ईडी को दे दी थी। जल जीवन मिशन में अब तक 10 किलो से ज्यादा सोना और करोड़ों का काला धन मिल चुका है। जिसमें और गणपती ट्यूबवेल और श्याम ट्यूबवेल के फर्जीवाड़ों के बारे में हमने खुलासा किया, वो भी पूरा सत्य साबित हुआ है। और बहुत सारी फर्म है जैसे मांगीलाल बिश्नोई, विष्णु प्रकाश पुनगोलिया, जीआर इन्फ्रा आदि बहुत सी फर्म है जिन्होंने सैंकड़ों करोड़ के काम गणपती और श्याम ट्यूबवेल के तर्ज पर फर्जी दस्तावेजों से लिए हैं, जिसके बारे में बहुत जल्दी आपके सामने बहुत सारे और खुलासे करेंगे।

डॉ. मीणा ने कहा कि सिचाई विभाग, यूडीएच और सूक्ष्म ऊर्जा में भी करीबन 20000 हजार करोड़ का घोटाला है जो कि मैं अगली पत्रकार वार्ता में खुलासा करूंगा खुद को गाँधीवादी मुख्यमंत्री कहने वाले अशोक गहलोत से मैं मांग करता हूं कि जल जीवन मिशन में उजागर किए गए घोटाले, खान घोटाले और वैभव गहलोत के होटल इंडस्ट्री के घोटालों में अर्जित काले धन के संबंध में अपने पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही कराएंगे तो हम मानेंगे कि सीएम गहलोत भ्रष्टाचार में जीरो टोलरेंस की बात करते हैं। इन सभी मामलों में यदि कार्रवाई नहीं हुई तो हम पूरे राज्य में आंदोलन करेंगे।